2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

...भरा जावे ↓

...लि 120

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

...र पुस्तिका का क्रमांक **320 - 3458041**

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	0	7	3	2	5	4	1	4

शब्दों में

दो शून्य ... चार एक चार

↓

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 14

ग :– परीक्षा का दिनांक 09 06 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

H S.S.C.

केन्द्र क्रमांक 731002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्रापट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र **100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80**... **एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये** ...

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक ... की प्रविष्टी करें

(अंकों में)

प्रश्न क्र.	अंक
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
22	
23	
24	
25	
26	
27	
28	

कुल प्राप्...

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -1

(अ) - पिंच एवं ट्रिवार्थी ।

(ब) - चहला ।

(स) - दिल्ली ।

(द) - राइन ।

(इ) - आर्यभट्ट ।

प्रश्न क्रमांक → 2

(अ) (i) - देहरादून

(ii) - केरल

(iii) - राष्ट्रीय राजपथ

(iv) - उर्वरता

(v) - दूसरा

B S E

3.9mmx16

योग पृ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 3

(अ) नैनीताल

(ब) प. बंगाल

(स) कपास

(द) कांडला

(इ) लंद

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 4

(i) फल एवं सब्जी की कृषि के उत्पादन को ट्रकों द्वारा उपभोक्ता केन्द्रों तक पहुंचाया जाता है। इसी प्रकार की खेती को ट्रक फार्मिंग कहते हैं।

(ii) :- संयुक्त राज्य अमेरिका व पर्वतीय क्षेत्रों में

(iii) :- सोयाबीन

(iv) :- सोलह (16)

(v) :- शोर से होने वाली बैचेनी को ध्वनि प्रदूषण कहते हैं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BO...

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 5

विडाल डी ला ब्लाश के अनुसार भूगोल की परिभाषा –

" मानव भूगोल पृथ्वी और मानव के सम्बन्धों एक नई संकल्पना देता है जो पृथ्वी को नियन्त्रित करने वाले भौतिक नियमों और पृथ्वी पर निवास करने वाले जीवों के पारस्परिक अन्तर्सम्बन्धों का संश्लेषात्मक ज्ञान होता है।"

प्रश्न क्रमांक – 6

भिलाई एवं जमशेदपुर औद्योगिक नगर उदाहरण हैं।

प्रश्न क्रमांक – 7

भौतिक वातावरण में जब कोई अवांछनीय तत्व प्रवेश करते हैं जो पृथ्वी के जीवों, जन्तुओं, पौधों आदि के जीवनदायक जीवन के लिए हानिकारक होता

हैं, तो उसे पर्यावरण प्रदूषण कहते हैं।

प्रश्न क्रमांक - 8

वन: पर्यावरण सन्तुलन बनाये रखते हैं तथा हमें जीवन के रूप ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।
वनों के प्रत्यक्ष लाभ -

① लकड़ी की प्राप्ति
② ईंधन की प्राप्ति
③ पशुओं के लिए चारा

① लकड़ी की प्राप्ति :- वनों के 550 वृक्ष ऐसे हैं जो व्यवसाय के लिए बहुत उपयोगी होते हैं जैसे- सागौन, साल, शीशम, चन्दन, बबूल आदि।

② ईंधन की प्राप्ति :- वनों से हमें लकड़ी की प्राप्ति होती है। जिससे लकड़ी को ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया जाता है।

③ पशुओं के लिए चारा :- वनों में पालतू पशुओं को चारा उपलब्ध होता है। जिससे हमारे भारत के

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

पशुओं की उदर पूर्ति होती हैं और पशुपालकों लाभ होता है।

प्रश्न क्रमांक - 9

परिषण एवं संचार में अन्तर निम्नलिखित हैं-

पारेषण	संचार
1) पारेषण या संचारण से तात्पर्य प्रसारण से होता हैं।	1) विभिन्न व्यक्तियों के मध्य संदेशो और संवादों के आदान प्रदान को संचार कहते हैं।
2) पारेषण में किसी वस्तु या पदार्थ को ~~एक स्थ~~ किसी माध्यम द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान भेजा जाता हैं।	2) संचार में संदेशों एवं संवादो को एक स्थान दूसरे स्थान भेजा जाता हैं।
3) पारेषण के साधन पाइपलाइन, ~~या~~ विद्युत तार आदि हैं।	3) संचार के साधन टेलीफोन, टेलेक्स, फैक्स आदि हैं।
4) दूरदर्शन एवं रेडियो में इसका विशेष महत्व हैं।	4) सन्देशो के आदान प्रदान में इसका विशेष महत्व हैं।

B S E

प्रश्न क्रमांक - 10

जल परिवहन व्यापार में बहुत उपयोगी है। भारत का 95 % विदेशी व्यापार समुद्री जल परिवहन द्वारा किया जाता है।

जल परिवहन का महत्व :-

(1) **सबसे सस्ता साधन :-** जल परिवहन सबसे सस्ता साधन है। इसमें रेलमार्ग एवं सड़क मार्ग बनाने जैसा कोई व्यय नहीं जैसे मार्ग बनाने में कोई व्यय नहीं होता है क्योंकि यह मार्ग प्राकृतिक होते हैं।

(2) **भार ढोने की अधिक क्षमता :-** जल परिवहन में अन्य परिवहनों की तुलना में अधिक भार ढोने की क्षमता होती है। एक जहाज अपने भार का 6 गुना भार एक स्थान से दूसरे स्थान पहुंचा सकता है।

(3) **विदेशी व्यापार में सहायक :-** जल परिवहन विदेशी व्यापार में उन्नति करता है जिससे आर्थिक विकास में वृद्धि होती है। भारत का लगभग 95 प्रतिशत विदेशी व्यापार समुद्री जल परिवहन द्वारा होता है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 11

एशिया सभी महाद्वीपों में सबसे बड़ा महाद्वीप है तथा जनसंख्या में भी सभी महाद्वीपों की तुलना में सबसे आगे है।

एशिया महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि के कारण -

(1) जलवायु
(2) खाद्यान्नों का विपुल भण्डार
(3) उपजाऊ भूमि
(4) पर्याप्त नदियाँ
(5) कृषि प्रधानता

(1) **जलवायु :-** एशिया में दक्षिणी पूर्वी एशिया अधिक सघन बसा हुआ है क्योंकि वहाँ की जलवायु उष्ण कटिबंधीय जलवायु है। सम्पूर्ण एशिया में यही क्षेत्र जनसंख्या सर्वाधिक सम्पन्न क्षेत्र है।

(2) **खाद्यान्नों का विपुल भण्डार :-** एशिया महाद्वीप में खाद्यान्न की आपूर्ति अधिक होने के कारण जनसंख्या अधिक है। यहाँ चावल की अधिक कृषि की जाती है जो कि खाद्यान्न के लिए उपयुक्त है। जिससे बड़ी जनसंख्या का भरण पोषण किया जा सकता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

③ उपजाऊ भूमि :- एशिया में अनेक नदियाँ हैं जैसे यांगटीसीक्यांग, गंगा, ब्रह्मपुत्र आदि जिनके मैदानों की भूमि उपजाऊ एवं उर्वरकता पूर्ण हैं जिसके कारण कृषि उन्नत अवस्था में हैं। ~~कृषि होने~~ जिसके कारण यहाँ की जनसंख्या अधिक हैं।

④ पर्याप्त नदियाँ :- जल जीवन का आधार हैं। प्रत्येक मनुष्य वहीं रहना पसन्द करता हैं जहाँ पर उसे जल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। एशिया में पर्याप्त नदियाँ है जिनसे जलापूर्ति बनी रहती हैं, यही कारण हैं कि यहाँ जनसंख्या वृद्धि हैं।

⑤ कृषि की प्रधानता :- एशिया में कृषि की प्रधानता है। मानव की मूलभूत अवश्यकता में भोजन ~~भी~~ प्रमुख हैं। जो अधिकांश रूप से कृषि के द्वारा ही प्राप्त होता हैं। अत: यह भी कारण हैं कि एशिया जनसंख्या में आगे हैं।

इन सबके के अतिरिक्त ~~औद्योगिकरण~~, मत्स्य प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक क्रियाकलाप भी किये जाते हैं।

B S E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -12

भारत मे गेहूं कुल 2.4 करोड़ हेक्टेयर पर बोया जाता है। गेहूँ शीतोष्ण कटिबन्ध का पौधा है।

गेहूँ उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएँ निम्नवत है -

① जलवायु :- गेहूँ के लिए शीतोष्ण जलवायु अच्छी होती है।

② तापमान :- गेहूँ की पैदावार के लिए बोते समय 10° सेण्टीग्रेड व पकते समय 20° से 26° सेण्टीग्रेड तापमान होना चाहिए।

③ वर्षा :- गेहूँ के 50 से 75 से.मी. वर्षा पर्याप्त होती है। 100 से. मी. वर्षा वाले भागो में इसकी खेती नहीं की जा सकती है। 50 से.मी. से कम वर्षा वाले भागों मे सिंचाई की सहायता से इसकी खेती की जाती है।

④ मिट्टी :- गेहूँ की पैदावार के हल्की दोमट मिट्टी अच्छी होती है। परन्तु इसे प्रायः सभी प्रकार की मिट्टियो में उगाया जा सकता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

अंक

प्रश्न क्र.

(5) श्रमिक :- इसकी खेती के लिए श्रमिक पर्याप्त होना चाहिए परन्तु इसे इस खेती में मशीनों का प्रयोग भी किया जाता है।

उत्पादन क्षेत्र :- भारत में इस गेहूँ की पैदावार उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश आन्ध्रप्रदेश आदि राज्यों में की जाती है।

BSE

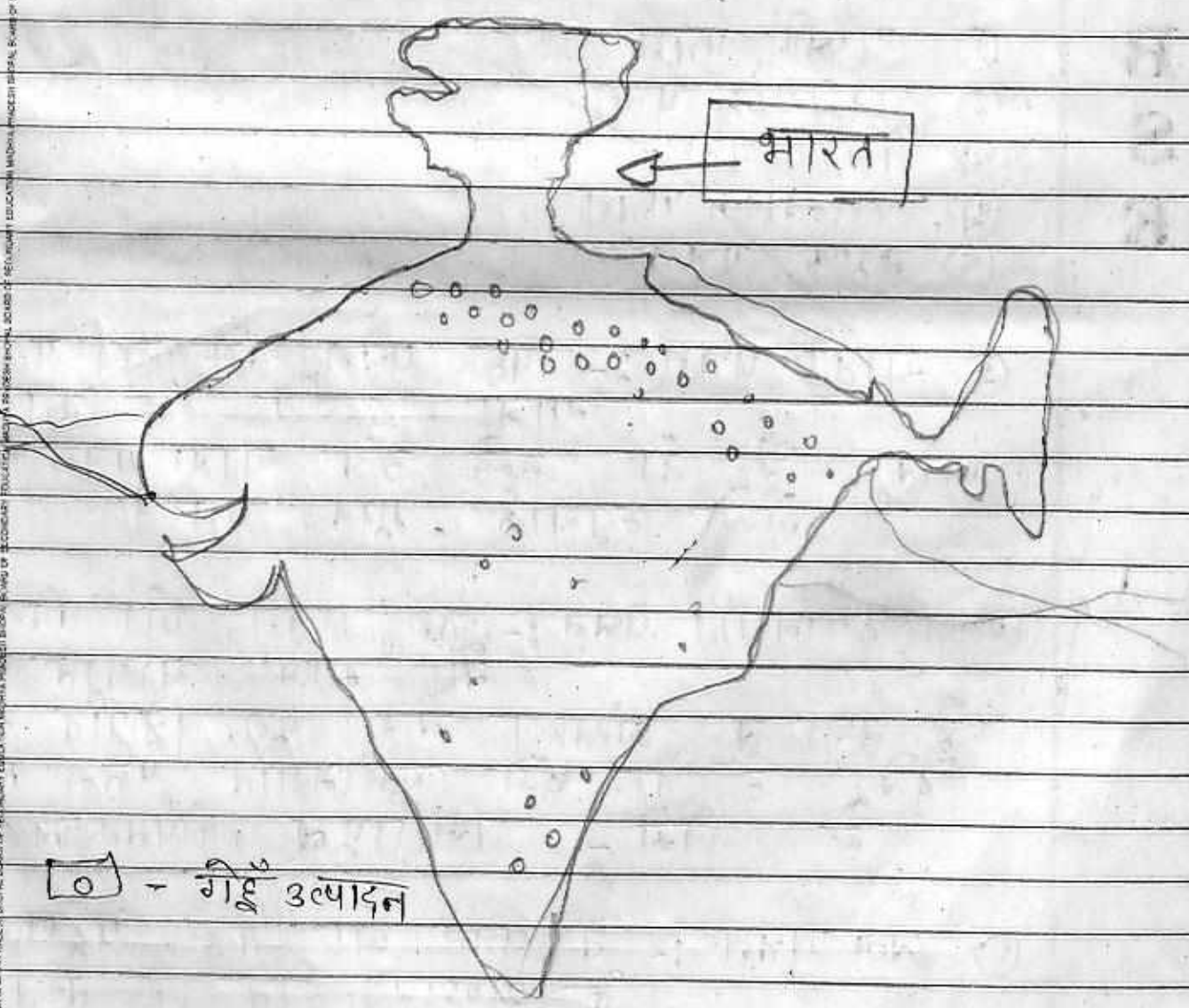

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक :- 13

समुद्र पत्तन समुद्र तट पर अवस्थित वह स्थान है जो देश के भीतरी व्यापारिक मार्गों को तथा समुद्री व्यापारिक मार्गों के मध्य सम्पर्क स्थापित करते हैं। पत्तन किसी देश के " द्वारमार्ग " होते हैं।

पत्तन के प्रकार –

1. यात्री पत्तन
2. पुर्ननिर्यात पत्तन
3. तैल पत्तन
4. आन्तरिक पत्तन
5. ध्रुवक पत्तन

B
S
E

(1) यात्री पत्तन :- वह पत्तन जो जहाँ पर यात्री ठहरते हैं या आते जाते हैं तो उन्हे उसे यात्री पत्तन कहते हैं जैसे न्यूयार्क , मुम्बई आदि।

(2) पुर्ननिर्यात पत्तन :- वह पत्तन जो विदेशों से माल आयात करते है तथा व संग्रहण कर पुनः निर्यात कर देते हैं तो उसे पुर्ननिर्यात पत्तन कहते है जैसे – सिंगापुर , कोपेनहेगन आदि।

(3) तैल पत्तन :- वे पत्तन जो तैल, पेट्रोलियम के भण्डार होते है तथा वहाँ

बड़े - बड़े तेल टैंकर आकर खड़े होते हैं तो उन्हे तेल पत्तन कहते हैं।

(5) आन्तरिक पत्तन :- ऐसे पत्तन जो समुद्र से थोड़े दूर स्थित होते हैं व नदियों से जुड़े रहते हैं तो उन्हे आन्तरिक पत्तन कहते हैं जैसे :- कोलकाता हुगली नदी से समुद्र से जुड़ा व लंदन टेम्स नदी से जुड़ा हुआ है।

(6) शुष्क पत्तन :- ऐसे पत्तन जो समुद्र तट पर तो नहीं होते परन्तु बन्दरगाह से थोड़ीदूर स्थित होते हैं उनका व्यापारिक महत्व अधिक होता है तो उसे शुष्क पत्तन कहते हैं जैसे दिल्ली।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 14

ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में अन्तर –

मुख्य बिन्दु	ग्रामीण जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या
1) निवास	ग्रामीण जनसंख्या ग्रामो, उपग्रामों में निवास करती हैं।	नगरीय जनसंख्या कस्बो, नगरो, महानगरो, विराटनगरों में निवास करती हैं।
2) व्यवसाय	ग्रामीण जनसंख्या प्राथमिक व्यवसाय जैसे- कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन आदि मे संलग्न होती हैं।	नगरीय जनसंख्या द्वितीयक, तृतीयक व चतुर्थक व्यवसायों में संलग्न होती हैं।
3) आवास	ग्रामीण जनसंख्या के मकान कच्चे होते हैं परन्तु आवास की कोई समस्या नही होती हैं।	नगरीय जनसंख्या के मकान पक्के होते हैं परन्तु आवास की गम्भीर समस्या होती है।
सामाजिक सम्बन्ध	ग्रामीण जनसंख्या के सामाजिक सम्बन्धो में मधुरता व दृढ़ता होती हैं।	नगरीय जनसंख्या के सामाजिक सम्बन्ध मात्र औपचारिक होते हैं।
5) जीवन स्तर	ग्रामीण जनसंख्या जीवन स्तर निम्न होता हैं।	नगरीय जनसंख्या का जीवन स्तर उच्च होता हैं।

BSE

प्रश्न क्रमांक - 15

वन एक प्राकृतिक बहुमूल्य सम्पदा है। वन पर्यावरण सन्तुलन स्थापित करते हैं। पर वर्तमान समय में वनों के अन्धाधुन्ध विदोहन के कारण हमें इनका संरक्षण करना अति आवश्यक हो गया है।

वनों के संरक्षण के उपाय -

(1) वनों के विनाश को रोकना
(2) वनों में परिवहन मार्गों का विकास
(3) वनोंपर उद्योगों के दवाव में कमी
(4) वन वानिकी

(1) वनों के विनाश को रोकना :- वन संरक्षण के लिए सबसे आवश्यक है कि वनों के विनाश को रोका जाय। इस हेतु निम्न उपाय किये जाने चाहिए -

(i) वनों की नियमित देखभाल
(ii) स्थानान्तरी कृषि पर रोक
(iii) वृक्षारोपण का सतत कार्यक्रम आदि

(2) वनों में परिवहन मार्गों का विकास :- वनों में परिवहन के एवं संचार की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि वनों की सुरक्षा एवं देखभाल में कोई

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

बाधा उत्पन्न न हों।

(3) **वनों पर उद्योगों के दबाव में कमी:-** वनोत्पाद आधारित उद्योग जैसे फर्नीचर उद्योग, आदि पर वनों के दबाव को कम करने के लिए लैंटाना, जलकुम्भी आदि पौधों को उगाया जाना चाहिए।

B

(4) **वन वानिकी :-** वन वानिकी के माध्यम से भी वनों को संरक्षित किया जा सकता है व वनों का विस्तार किया जा सकता है।

S

E

उपर्युक्त उपायों को सरकार द्वारा तो उपयोग में लाया जा रहा है परन्तु आवश्यकता जन जागरूकता की है। जन जागरूकता के माध्यम से हम सभी वनों को संरक्षित कर एक खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

कुल अंक

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 16

जीविकोपार्जन कृषि एवं व्यावसायिक कृषि में अन्तर-

मुख्य बिन्दु	जीविकोपार्जन कृषि	व्यावसायिक कृषि
(1) उद्देश्य	जीविकोपार्जन कृषि जीवन निर्वाह के उद्देश्य से की जाती हैं।	व्यावसायिक कृषि व्यापार के उद्देश्य से की जाती हैं।
(2) फसल	जीविकोपार्जन कृषि मे खाद्यान्न फसलों का उत्पादन किया जाता हैं। जैसे - चावल गेहू ज्वार बाजरा आदि।	व्यावसायिक कृषि मे नकदी फसलो (गन्ना, कपास, चाय, जूट आदि) का उत्पादन किया जाता हैं।
(3) खेत का आकार	जीविकोपार्जन कृषि में खेत छोटे आकार के होते हैं।	व्यावसायिक कृषि मे खेत बड़े-बड़े होते हैं।
(4) आगतों का प्रयोग	इस खेती में उन्नत बीजो, उर्वरको, कीटनाशको आदि मशी का प्रयोग नही किया जाता हैं।	इसमें उन्नत बीजो, उर्वरको, कीटनाशको, दवाओं आदि का प्रयोग किया जाता है।

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

(5) कृषि का तरीका	जीविकोपार्जन कृषि में परम्परागत तरीके से की जाती है।	व्यावसायिक कृषि आधुनिक एवं पद्धति के द्वारा की जाती है।
(6) मशीनों का प्रयोग	जीविकोपार्जन कृषि में मशीनों के स्थान पर श्रम अधिक महत्व है।	व्यावसायिक कृषिमें श्रम के स्थान पर मशीनों का अधिक प्रयोग किया जाता है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्रमांक - 18

मुम्बई भारत का प्रमुख वस्त्रोद्योग केन्द्र है तथा यह भारत पश्चिमी तट पर स्थित हैं। मुम्बई एक बन्दरगाह भी हैं।

मुम्बई में सूती वस्त्रोद्योग के विकसित होने कारण-

1. आर्द्र जलवायु
2. कच्चे माल की सुलभता
3. यातायात की सुविधा
4. पर्याप्त जल विद्युत
5. घनी आबादी
6. श्रमिक की आपूर्ति

(1) ~~कच्चे माल~~ आर्द्र जलवायु :- भारत में मुम्बई समुद्र तटीय क्षेत्र में स्थित होने के कारण जलवायु आर्द्र समशीतोष्ण हैं जिसके कारण कपास का धागा जल्दी नहीं टूटता है। मुम्बई की जलवायु वस्त्रोद्योग के लिये उपयुक्त हैं।

2) कच्चे माल की सुलभता :- मुम्बई के आसपास के क्षेत्रों कपास की कृषि की जाती है जिससे वस्त्रोद्योगों को कच्चा माल आसानी से मिल जाता है।

प्रश्न क्र.

B
S
E

③ यातायात की सुविधा :- यहाँ मुम्बई पश्चिम रेल्वे ~~ब~~ ~~ब~~ से जुड़ा हुआ हैं तथा सड़के भी अच्छी अवस्था में होने कारण परिवहन सुविधा है। मुम्बई स्वयं एक बन्दरगाह जिससे निर्मित वस्त्र विदेशों को निर्यात किये जाने की सुविधा प्राप्त हैं।

④ ~~महाराष्ट्र~~ पर्याप्त जल विद्युत :- यहाँ पर शक्ति के साधनों में जल विद्युत पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने के कारण वस्त्रोद्योगों का विकास हुआ हैं।

⑤ घनी आबादी :- मुम्बई एक महानगर एवं वस्त्रोद्योगों एवं अन्य प्रकार के उद्योगों का केन्द्र होने कारण घनी जनसंख्या पाई जाती है जिससे निर्मित माल के लिए बाजार की सुविधा भी उपलब्ध हैं।

⑥ श्रमिकों की आपूर्ति :- वस्त्रोद्योग के लिए कुशल एवं सस्ते श्रमिक उपलब्ध है जिसके कारण यह उद्योग उन्नत अवस्था में है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

वस्त्रोद्योग क्षेत्र

(i) मुम्बई

(ii) अहमदाबाद

B S E

Roll No. 207325414

World Map